Dy. No. 14/16/154

Additional Information
Unstarred Assembly Question no. 21

There are two drainage basins in Haryana i.e. Yamuna Basin and Ghaggar Basin. Drainage area of Yamuna Sub Basin comprises of area of Yamuna Nagar (part), Karnal, Panipat, Sonepat, Rohtak, Jhajjar, Rewari, Gurgaon, Mahendergarh, Jind (part), Faridabad and Palwal districts. It covers about 40% area of the state and it drains into river Yamuna. Remaining 60% area of the state drains into the Ghaggar Sub Basin of Indus Basin comprising of Yamuna Nagar (part), Panchkula, Ambala, Kurukshetra, Kaithal, Jind, Bhiwani, Hisar, Fatehabad and Sirsa districts. This area has a country slope towards river Ghaggar. Thus in all there is a huge network of 801 No drains covering a length of 5144 Km in Haryana.

Coming to the question it is brought out that Geong drain fall into Amin Drain, which in turn falls into Kaithal Drain. Kaithal Drain then ultimately falls into Ghaggar river. Geong drain having a length 34000 feet originate in village Geong (RD 34000) and after running for a length of 13000 ft (RD 21000) in rural area it enters Kaithal town and for its remaining 21000 ft length, it flow through urban area of Kaithal town and outfall into Amin drain at RD 29785-R. The drain from RD. 0-4000 along Kaithal to Jind road has already been converted into RCC covered trough drain by Municipal Corporation, Kaithal. The maintenance in rural area is being looked after by Irrigation and Water Resources Department and in urban area it is being carried out by Public Health Engineering Department. The discharge of Geong drain at starting point is 50 Cs. and at outfall point is 141 Cs.

There is no proposal under consideration of the department to line the Geong drain as the drains are constructed for disposing of flood water and with Kacha drain there is seepage of flood water which helps in recharging of ground water. Drains are lined where there is problem like sloughing of soil which results in blockage of drain and

hindrance to flow of flood water as earth slips into the drain. Hon'ble Chief Minister, Haryana had **announced the demand for covering the open Geong drain in thickly populated area of Kaithal town from RD 21000 to 12000** vide C.M. Announcement Code No.12556 dated 28.05.2016. The feasibility of the same was examined by PHED and it was found Non-feasible and ultimately dropped vide CM office No.35932 dated 26.08.2016 as it is convenient to desilt the drain if is left uncovered as the only purpose of drain is to dispose off the rain water.

It is brought out that the unauthorized sewage/polluted water is being disposed off in Geong drain in the Urban area and the notice has already been served to the Public Health Engineering Department, Municipal Council, District Development and Panchayat Officer and HSVP Kaithal by Irrigation & W.R. Department to stop the sewage/polluted water in the drain.

The demand of Hon'ble M.L.A., Kaithal is to prevent falling of cattles and discourage disposal of domestic waste/garbage into the drain by fencing the Geong Drain on both sides for the portion which is passing through abadi area from Kaithal City from RD 21000 to RD 12000. The dimensions of Geong drain is approx. 35.00 feet wide and 6.00 feet depth. The demand of Hon'ble M.L.A. Kaithal for fencing of Geong drain shall be looked into by checking the feasibility at site and will be explored on the basis of similar works executed by the department for fencing of Panipat Drain in district Panipat and Gaunchi Main drain in district Faridabad.

At present there is no proposal under consideration of the Government to line the Geong drain in Kaithal city.

अतिरिक्त सूचना
विधानसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 21

हरियाणा में दो जल निकासी बेसिन हैं अर्थात् यमुना बेसिन और घग्गर बेसिन। यमुना सब बेसिन के जल निकासी क्षेत्र में यमुना नगर (भाग), करनाल, पानीपत, सोनीपत, रोहतक, झज्जर, रेवाड़ी, गुड़गांव, महेंद्रगढ़, जींद (भाग), फरीदाबाद और पलवल जिलों का क्षेत्र शामिल है। यह राज्य के लगभग 40 प्रतिशत क्षेत्र को कवर करता है और यह यमुना नदी में गिरता है। राज्य का शेष 60 प्रतिशत क्षेत्र यमुनानगर (भाग), पंचकुला, अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, भिवानी, हिसार, फतेहाबाद और सिरसा जिलों को मिलाकर सिंधु बेसिन के घग्गर सब बेसिन में जाता है। इस क्षेत्र का ढाल घग्घर नदी की ओर है। इस प्रकार हरियाणा में 5144 किलोमीटर की लंबाई को कवर करने वाली 801 ड्रेनों का एक विशाल नेटवर्क है।

प्रश्न पर आते हुए यह पता चलता है कि ग्योंग ड्रेन अमीन ड्रेन में गिरती है, जो बाद में कैथल ड्रेन में गिरती है। कैथल ड्रेन फिर अंततः घग्घर नदी में गिरती है। 34000 फीट की लंबाई वाली ग्योंग ड्रेन गाँव ग्योंग (बुर्जी संख्या 34000) से निकलती है और ग्रामीण क्षेत्र में 13000 फीट (बुर्जी संख्या 21000) की लंबाई तक चलने के बाद यह कैथल शहर में प्रवेश करती है और इसकी शेष 21000 फीट की लंबाई के लिए यह कैथल के शहरी क्षेत्र से होकर बहती है और बुर्जी संख्या 29785–दाएं पर अमीन ड्रेन में गिरती है। नगर परिषद कैथल द्वारा कैथल से जींद सड़क मार्ग के साथ ड्रेन की बुर्जी संख्या 0–4000 को पहले ही आरसीसी कवर्ड ड्रेन में परिवर्तित कर दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में ग्योंग ड्रेन का रख–रखाव सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा तथा शहरी क्षेत्र में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा किया जा रहा है। ग्योंग ड्रेन की क्षमता शुरुआत में 50 क्यूसेक से लेकर आउटफॉल पर 141 क्यूसेक है।

ग्योंग ड्रेन को लाईन करने का कोई प्रस्ताव विभाग के विचाराधीन नहीं है क्योंकि ड्रेनों का निर्माण बाढ़ के पानी के निपटान के लिए किया जाता है और कच्ची ड्रेन के साथ बाढ़ के पानी का रिसाव होता है जो भूजल के पुनर्भरण में मदद करता है। ड्रेन को वहाँ पक्का किया जाता है जहां पर मिट्टी के खिसकने जैसी समस्या होती है जिसके परिणामस्वरूप ड्रेन बंद हो जाती है और बाढ़ के पानी के प्रवाह में बाधा उत्पन्न होती है, क्योंकि गाद ड्रेन में चली जाती है। माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा ने कैथल शहर के घनी आबादी वाले क्षेत्र में खुले ग्योंग ड्रेन

की बुर्जी संख्या 21000 से 12000 तक सी.एम. घोषणा कोड संख्या 12556 दिनांक 28.05.2016 के तहत कवर करने की घोषणा की थी। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा इसकी व्यवहार्यता की जांच की गई और इसे गैर–व्यवहार्य पाया गया और अंततः मुख्यमंत्री कार्यालय नंबर 35932 दिनांक 26.08.2016 के तहत इसे ड्रोप कर दिया गया क्योंकि अगर ड्रेन को खुला छोड दिया जाए तो ड्रेन से गाद निकालना सुविधाजनक है और ड्रेन का एकमात्र उद्देश्य बारिश के पानी का निपटान करना है।

यह ज्ञात हुआ है कि शहरी क्षेत्र में ग्योंग ड्रेन में अनाधिकृत सीवेज/प्रदूषित पानी का निपटान किया जा रहा है तथा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा सीवेज/प्रदूषित पानी को ड्रेन में छोड़ने से रोकने के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर परिषद, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी एवं हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण कैथल को पहले ही नोटिस दिया जा चुका है।

माननीय विधायक, कैथल की मांग है कि कैथल शहर की आबादी क्षेत्र से गुजरने वाली ग्योंग ड्रेन की बुर्जी संख्या 21000 से बुर्जी संख्या 12000 तक के दोनों तरफ बाढ़ (फेसिंग) लगाकर ड्रेन में मवेशियों को गिरने से रोका जाए और घरेलू कूडे/कचरे को भी रोका जाए। ग्योंग ड्रेन लगभग 35 फुट चौड़ी तथा 6 फुट गहरी है। माननीय विधायक, कैथल की मांग के अनुसार ग्योंग ड्रेन के दोनों तरफ बाड़ लगाने के लिए साइट पर व्यवहार्यता की जांच की जाएगी और विभाग द्वारा जिला पानीपत में पानीपत ड्रेन एवं जिला फरीदाबाद में गौंची मेन ड्रेन की बाड़ लगाने वाले निष्पादित कार्यों के आधार पर इसका पता लगाया जाएगा।

वर्तमान में, कैथल शहर में ग्योंग ड्रेन की लाइनिंग का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।